पढ़कर ईश्वरीय पढ़ाई बन जाओ कनिष्ठ से उत्तम
लक्ष्मी नारायण ही कहलाते हैं मर्यादा पुरुषोत्तम
इस दुनिया में दिल ना लगाओ ये तो देश पराया
इसे अपना समझने वालों को ही माया ने हराया
कुछ ही पल की बची ये दुनिया मिटने को तैयार
घर चलने की करो तैयारी ना करो समय बेकार
बैठे बैठे शरीर छोड़ने का करते जाओ अभ्यास
त्याग कर देह अभिमान करो परमधाम में वास
भूलो देह के रिश्ते करो अल्फ और बे को याद
हर कल्प में 21 जन्मों तक रहोगे सदा आबाद
तन हो रोगी कितना सेवा की उमंग ना हो कम
हर तरह की सेवा के लिए बढ़ाओ अपने कदम
खत्म होने वाली दुनिया में ना रखो कोई लगाव
मन्मनाभव मन्त्र से करो माया से अपना बचाव

ॐ शांति